सामाजिक सुरक्षा पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ

गोहाना, 8 अप्रैल (रामनिवास धीमान): खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग द्वारा सामाजिक कार्य शिक्षकों के लिए सामाजिक सुरक्षा पर तीन दिवसीय क्षेत्रीय स्तर प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ समाज कार्य विभाग की अध्यक्षा डॉ मंजू पवार की अध्यक्षता में हुआ जिसमें मुख्य अतिथि महिला विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो सुदेश पहुंची । कुलपति प्रो सुदेश ने अपने सम्बोधन में भ्रूण हत्या , समाज में बढ़ रहे वृद्ध आश्रम के चलन एवं मादक पदार्थ की बुरी लत प्रति सचेत रहने के लिए आग्रह किया। निस्संकोच एक दूसरे की मदद को आगे आएं और सामाजिक कुरीतियों को दूर करने में आपसी सहयोग बढ़ाएं।

पंजाब केसरी
WED,09 APRIL 2025
EDITION: SONIPAT KESARI, PAGE NO. 4

एक-दूसरे की मदद को आगे आना हम सबकी जिम्मेदारी : प्रो. सुदेश

गोहाना, 8 अप्रैल (अरोड़ा): बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय समाज कार्य विभाग द्वारा 'सामाजिक कार्य शिक्षकों के लिए सामाजिक सुरक्षा' पर 3 दिवसीय क्षेत्रीय स्तर प्रशिक्षण कार्यक्रम का मंगलवार को शुभारम्भ हो गया। श्रीगणेश वी.सी. प्रो. सुदेश ने दीप प्रज्वलन के साथ किया। अध्यक्षता एच.ओ.डी. डॉ. मंजू पवार ने की।

प्रो. सुदेश ने कहा कि सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में ज्ञान और कौशल को बढ़ाना अत्यंत महत्वपूर्ण है, ताकि भविष्य के सामाजिक कार्यकर्ताओं को इस महत्वपूर्ण विषय के बारे में अच्छी तरह से तैयार कर सकें। उन्होंने भ्रूण हत्या, समाज में बढ़ रहे वृद्ध आश्रम के चलन एवं मादक पदार्थ की बुरी लत प्रति सचेत रहने के लिए आग्रह किया। कुलपति ने कहा कि यह हम सबकी जिम्मेदारी बनती है कि नि:संकोच एक-दूसरे की मदद को आगे आएं और सामाजिक कुरीतियों को दूर करने में आपसी सहयोग बढ़ाएं।

3 दिन के प्रशिक्षण कार्यक्रम का मार्गदर्शन करते हुए वी.सी. प्रो. सुदेश। (अरोड़ा)

डा. मंजू पवार ने एक समाज कार्यकर्त्ता की भूमिका के विषय में बताया कि वह कोई भी स्थिति क्यों ना हो वह हर परिस्थिति में व्यक्तियों की सहायता करता है। उन्हें समस्याओं से बाहर निकालने के लिए प्रेरित करता है। सामाजिक विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रोफेसर रवि भूषण ने 'सामाजिक सुरक्षा' एवं 'सामाजिक प्रदर्शन' के विषय में बताया। उन्होंने बताया कि सामाजिक सुरक्षा, समाज के कमजोर वर्गों के लोगों की रक्षा एवं कल्याण के लिए किया जाने वाला प्रयास है।

मुख्य वक्ता के रूप में कार्यक्रम पहुंची, दिल्ली विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग की प्रो. नीना पांडे ने कहा कि एक समाज कार्यकर्त्ता शांत स्वभाव में विश्वास करता है और अपनी भावनाओं को नियंत्रित करके समुदाय के जरूरतमंद लोगों की सहायता करता है। कार्यक्रम में दिल्ली विश्वविद्यालय, जामिया मिलिया इस्लामिया दिल्ली, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, दिल्ली , राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय आदि से शिक्षण संस्थाओं से प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।

एक-दूसरे की मदद को आगे आना हम सब की जिम्मेदारी

गोहाना मुद्रिका एप, 8 अप्रैल : बी.पी.एस. महिला विश्वविद्यालय समाज कार्य विभाग द्वारा "सामाजिक कार्य शिक्षकों के लिए सामाजिक सुरक्षा" पर तीन दिवसीय क्षेत्रीय स्तर प्रशिक्षण कार्यक्रम का मंगलवार को शुभारम्भ हो गया। श्रीगणेश वी.सी. प्रो सुदेश ने दीप प्रज्वलन के साथ किया। अध्यक्षता एच.ओ.डी. डॉ मंजू पवार ने की।

प्रो. सुदेश ने कहा कि सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में ज्ञान और कौशल को बढ़ाना अत्यंत महत्वपूर्ण है, ताकि भविष्य के सामाजिक कार्यकर्ताओं को इस महत्वपूर्ण विषय के बारे में अच्छी तरह से तैयार कर सकें। उन्होंने "भ्रूण हत्या , समाज में बढ़ रहे वृद्ध आश्रम के चलन एवं मादक पदार्थ की बुरी लत प्रति सचेत रहने के लिए आग्रह किया । कुलपति ने कहा कि यह हम सब की जिम्मेदारी बनती है कि निसंकोच एक दूसरे की मदद को आगे आएं और सामाजिक कुरीतियों को दूर करने में आपसी सहयोग बढ़ाएं।

डॉ मंजू पवार ने एक समाज कार्यकर्ता की भूमिका के विषय में बताया, कि वह कोई भी स्थिति क्यों ना हो वह हर परिस्थिति में व्यक्तियों की सहायता करता है । उन्हें समस्याओं से बाहर निकालने के लिए प्रेरित करता है। सामाजिक विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रोफेसर रवि भूषण ने "सामाजिक सुरक्षा" एवं "सामाजिक प्रदर्शन" के विषय में बताया। उन्होंने बताया कि सामाजिक सुरक्षा,समाज के कमजोर वर्गों के लोगों की रक्षा एवं कल्याण के लिए किया जाने वाला प्रयास है।

मुख्य वक्ता दिल्ली विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग की प्रोफेसर नीना पांडे ने कहा कि एक समाज कार्यकर्ता शांत स्वभाव में विश्वास करता है, और अपनी भावनाओं को नियंत्रित करके समुदाय के जरूरतमंद लोगों की सहायता करता है।

सामाजिक कुरीतियों को दूर करने में बढ़ाएं आपसी सहयोग : प्रो. सुदेश

भास्कर न्यूज | गोहाना

बीपीएस महिला विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में ज्ञान और कौशल को बढ़ाना अत्यंत महत्वपूर्ण है, ताकि भविष्य के सामाजिक कार्यकर्ताओं को इस विषय के बारे में अच्छी तरह से तैयार कर सकें। यह हम सब की जिम्मेदारी बनती है कि निसंकोच एक दूसरे की मदद को आगे आएं और सामाजिक कुरीतियों को दूर करने में आपसी सहयोग बढ़ाएं। उन्होंने भ्रूण हत्या, समाज में बढ़ रहे वृद्ध आश्रम के चलन व मादक पदार्थ की बुरी लत प्रति सचेत रहने के लिए आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आज के युवा को नशे से दूर रखने के लिए हर संभव प्रयास करना हम सब की साझी जिम्मेदारी है। वे समाज कार्य विभाग द्वारा सामाजिक कार्य शिक्षकों के लिए सामाजिक सुरक्षा पर तीन दिवसीय क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ करने के उपरांत प्रतिभागियों को संबोधित कर रही थीं।

महिला विवि के सामाजिक विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रोफेसर रवि भूषण ने सामाजिक सुरक्षा एवं सामाजिक प्रदर्शन की जानकारी दी। दिल्ली विवि के समाज कार्य विभाग की प्रोफेसर नीना पांडे ने समाज के प्रति सामाजिक सुरक्षा एवं सामाजिक शिक्षक की भूमिका के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि एक सामाजिक कार्यकर्ता शांत स्वभाव में विश्वास करता है और अपनी भावनाओं को नियंत्रित करके समुदाय के जरूरतमंद लोगों की सहायता करता है। विभाग की अध्यक्ष डॉ. मंजू पंवार के अनुसार कार्यक्रम में दिल्ली विवि, जामिया मिलिया इस्लामिया, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विवि, राजस्थान केंद्रीय विवि समेत विभिन्न शिक्षण संस्थाओं से प्रतिभागी भाग ले रहे हैं।

सामाजिक सुरक्षा क्षेत्र में कौशल बढ़ाना जरूरी

गोहाना। गांव खानपुर कलां स्थित भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय में समाज कार्य विभाग की ओर से प्राध्यापकों के लिए सामाजिक सुरक्षा विषय पर मंगलवार को तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया। मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. सुदेश रहीं और अध्यक्षता विभाग की अध्यक्ष डॉ. मंजू पंवार ने की। कुलपति ने कहा कि सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में ज्ञान और कौशल को बढ़ाना जरूरी है। कुलपति ने समाज के प्रति कर्तव्य का अहसास दिलाते हुए कहा कि हम सबकी जिम्मेदारी बनती है कि बिना संकोच के एक-दूसरे की मदद के लिए आगे आएं। संवाद

सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में कौशल वृद्धि जरूरी : प्रो. सुदेश

गोहाना। भगत फूल सिंह महिला विवि में समाज कार्य विभाग द्वारा सामाजिक कार्य शिक्षकों के लिए सामाजिक सुरक्षा विषय पर मंगलवार को तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया। मुख्य अतिथि विवि की कुलपति प्रो. सुदेश रहीं और अध्यक्षता विभाग की अध्यक्ष डा. मंजू पवार ने की। प्रो. सुदेश ने कहा कि सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में ज्ञान और कौशल को बढ़ाना बहुत जरूरी है। इससे भविष्य के सामाजिक कार्यकर्ता इस महत्वपूर्ण विषय के बारे में अच्छी तरह से तैयार हो सकेंगे। उन्होंने भ्रूण हत्या, समाज में बढ़ रहे वृद्ध आश्रम के चलन एवं मादक पदार्थ की बुरी लत के प्रति सचेत किया। कुलपति ने समाज के प्रति कर्तव्य का अहसास दिलाते कहा कि यह हम सब की जिम्मेदारी बनती है कि बिना संकोच के एक दूसरे की मदद को आगे आएं। सामाजिक कुरीतियों को दूर करने में आपसी सहयोग बढ़ाएं।